ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४१
दिनांक– शुक्रवार, २८ मई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.4 एवं 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 25.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 20.0 एवं दोपहर में 31.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 87.3 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 मई–2 जून, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 मई–2 जून, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- यास (YAAS) चक्रवात के कारण बिहार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में आज २८ मई को लगातार सुबह से मध्यम से भारी वर्षा हो रही है तथा अगले १२–२४ घंटो तक यानि कल दोपहर तक (२९ मई) और वर्षा (मध्यम से भारी) होने की सम्भावना है। उसके बाद वर्षा की मात्रा में कमी आने की सम्भावना है तथा ३० मई तक अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। उसके बाद मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 27–30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 20–22 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 12 से 22 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- भारी वर्षा के कारण जिस खेतों में जल जमाव हो गया हो उसमे से जल निकास की उचित व्यस्वस्था करें।
- अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर सकते है। पिछात बोयी गयी मूंग एवं उरद् की फसल में पीला मोजैक रोग की निगराणी करें। यह विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाशकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा फसल में प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल० /०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- लम्बी अवधि वाले धान के किस्मो जैसे- राजश्री, राजेन्द्र श्वेता, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१, सत्यम एवं किशोरी की नर्सरी गिराने का काम वर्षा के बाद कर सकते है। करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन २.० ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलोग्रम यूरिया, १.५ किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, १.३ किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। लत्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।

आज का अधिकतम तापमानः 24.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 12.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 21.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी